Ramakrishna Mission Vidyapith

P.O. – Vivekananda Nagar, Dist. – Purulia, West Bengal - 723147
(A Branch Centre of Ramakrishna Mission, Belur Math, Howrah, West Bengal – 711202)
Phone: 9609535336, 6297283340 ; Email: rkmvpurulia@gmail.com ; Web: www.rkmvpurulia.in

RECRUITMENT OF ASSISTANT TEACHERS AND NON-TEACHING STAFF (GOVT.) - 2021

UPPER PRIMARY SECTION

SUBJECT : HINDI

SYLLABUS

हिन्दी साहित्य का इतिहास : धाराएँ और प्रवृत्तिगत अध्ययन

(क) काल विभाजन और नामकरण।

(ख) आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

(ग) पूर्व मध्यकाल : भक्तिकाव्य की प्रमुख धाराएँ – सगुण और निर्गुण, राम भक्ति शाखा, सूफी प्रेमाख्यानक काव्य की विशेषताएँ, संत काव्य की विशेषताएँ।

(घ) उत्तर मध्यकाल : रीतिकाल की धाराएँ और प्रवृत्तियाँ।

(ङ) आधुनिक काल : नवजागरण युग की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का योगदान, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, जनवाद।

(च) हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाएँ : उपन्यास, कहानी और नाटक का विकास।

(छ) टिप्पणियाँ : सरहपा, पृथ्वीराज रासो, विद्यापति, अमीर खुसरो, रामानंद, अष्टछाप, रसखान, रहीम, उदंत-मार्तण्ड: बालकृष्ण भट्ट, अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', रामचंद्र शुक्ल, माखनलाल चतुर्वेदी, सुमित्रानंदन पंत, गोदान, कामायनी, रामविलास शर्मा, मुक्तिबोध।

मध्ययुगीन काव्य : संपादक – ब्रजनारायण सिंह

(क) कबीर : साखी 1 से 30 : रहस्य साधना, कवीर का विद्रोह और समाज दर्शन, कबीर के राम और तुलसी के राम में अंतर, कवीर की भक्ति-भावना।

(ख) सूरदास : पदसंख्या 1, 4, 5, 7, 10, 11, 14, 17 तथा 20। सूर की भक्ति-भावना, वात्सल्य वर्णन, भ्रमरगीत में वाग्वैदग्ध्य, सूर काव्य में मुरली का महत्व।

भ्रमरगीत : विप्रलम्भ श्रृंगार का काव्य।

(ग) तुलसी : विनयपत्रिका 1, 4, 5 पुष्पवाटिका 7, 8। भक्ति-भावना, लोकमंगल की भावना, पुष्पवाटिका का काव्य माधुर्य।

(घ) बिहारी : दोहा संख्या 1, 3, 6, 7, 8, 10, 11, 13, 14, 15, 22, 23, 24, 27 और 28। रीति काव्य में बिहारी का स्थान, बिहारी की भाषा, दोहों में गागर में सागर।

(ङ) भूषण पदसंख्या 1, 3, 5, 7, 10, 14, तथा 15। भूषण की वीर भावना, भूषण का राष्ट्र-प्रेम।

(च) प्रसाद, निराला, पंत और महादेवी की श्रेष्ठ रचनायें, सम्पादक : वाचस्पति पाठक।

(अ) प्रसाद : हिमाद्रि तुंग श्रृंग से, जागरी, मेरे नाविक, अरी वरुणा की शांत कछार, तुमुल कोलाहल कलह में, छायावाद में स्थान, प्रेम और सौन्दर्य-भावना, गीतितत्व।

(आ) निराला-भारती वंदना, बसंत आया, जागो फिर एक बार, बादल राग। स्नेह निर्झर बह गया है। काव्य-सौष्ठव, राग और ओज तत्व, सरोज-स्मृति की मार्मिकता मुक्तछंद।

(इ) महादेवी – जीवन विरह का जलजात, मधुर मधुर मेरे दीपक जल, तुम मुझ में प्रिय ! फिर परिचय क्या, मैं नीर भरी दुख की बदली, हे चिर महान। छायावाद में स्थान, विरह भावना, प्रगीत तत्व। आधुनिक युग की मीरा, रहस्यवाद।

(छ) एकत्र : संपादक वच्चन सिंह

अज्ञेय : काव्यगत विशेषताएँ, नयी कविता और अज्ञेय।

नागार्जुन : काव्यगत विशेषताएँ।

(ज) "गद्य के विविध रंग" संपादक – दूधनाथ सिंह

प्रेमचंद, हजारी प्रसाद द्विवेदी, महादेवी वर्मा, अज्ञेय और हरिशंकर परसाई के निबंध तथा निबंध शैली।

नाटक : ध्रुवस्वामिनी : प्रसाद

(झ) उपन्यास "गबन" प्रेमचन्द्र।

(ञ) "तमस" भीष्म साहनी।

(ट) कहानी संग्रह "कथाभारती" संपादक : लक्ष्मीनारायण लाल : कफन, आकाशदीप, पराया सुख, गदल।

(ठ) **व्याकरण:**

संज्ञा, सर्वनाम, संधि, समास, कारक का प्रयोग, क्रिया के विभिन्न भेद, काल, विशेषण के भेद, वाक्य, संशोधन, वाच्य, प्रत्यय, उपसर्ग, सार संक्षेप, भाव-विस्तार, मुहावरे।